01-नवम्बर-2024 से 07-नवम्बर-2024

जिंसों का घूमता आइना-तिलहन

(01-नवम्बर-2024 से 07-नवम्बर-2024)

पहली छमाही के दौरान मूंगफली एवं ग्वार गम के निर्यात में बढ़ोत्तरी
मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में अच्छी बढ़ोत्तरी होने के आसार
मंडियों में प्रचलित कमजोर मूल्य से मूंगफली एवं सोयाबीन का उत्पादन बढ़ने के संकेत
जीएम फसलों के लिए नीति किसानों के अनुकूल होना आवश्यक
तिलहन-तेल के वैश्विक बाजार भाव में तेजी-मजबूती बरकरार रहने की उम्मीद
बेहतर घरेलू उत्पादन की वजह से खाद्य तेलों का आयात घटने की संभावना
दलहन-तिलहन फसलों की पैदावार बढ़ाने हेतु सरकार को गंभीर प्रयास करने की जरूरत

साप्ताहिक समीक्षा-मूंगफली

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य-गुजरात की मंडियों में मूंगफली के नए माल की आवक तेजी से बढ़ती जा रही है। राजकोट में 6 नवम्बर को 5 हजार बोरी की आवक हुई और कीमत 8000/11000 रुपए प्रति क्विंटल थी जबकि 7 नवम्बर को आपूर्ति उछलकर 50 हजार बोरी पर पहुंची जिस इसका दाम 3000 रुपए घटकर 6000/8000 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। दरअसल आपूर्ति में अचानक हुई इस जबरदस्त बढ़ोत्तरी का दबाव बाजार सहन नहीं कर सका। राज्य की गोंडल मंडी में इसी अवधि के दौरान मूंगफली की आवक 80 हजार बोरी से घटकर 65 हजार बोरी रह गयी लेकिन फिर भी कीमत 155 रुपए गिरकर 4500/6000 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गयी।

उत्तर प्रदेश के झाँसी में 35 हजार बोरी मूंगफली की आवक हुई और इसका भाव 200 रुपए सुधरकर 3800/4600 रुपए पर पहुंचा मगर मऊरानीपुर में 20-22 हजार बोरी की आवक के बावजूद खरीदारों की कमजोर मांग से भाव 200 रुपए टूट गया। महोबा में 4500-7500 बोरी मूंगफली की आवक दर्ज की गयी। कर्नाटक एवं राजस्थान में भी मूंगफली का अच्छा उत्पादन होता है।

जहां तो मूंगफली दाना का सवाल है तो बीकानेर में 50/60 काउंट वाले का भाव 300 रुपए तेज होकर 8800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंचा जबकि जलगांव में कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश के मूंगफली दाने के दाम में 100-200 रुपए की गिरावट दर्ज की गयी।

मूंगफली तेल में कारोबार कमजोर रहा जिससे कीमतों में नरमी दर्ज की गयी। राजकोट में भाव 40 रुपए घटकर 1520 रुपए प्रति 10 किलो पर आ गया।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

GROUNDNUT PRICE SHEET (01-NOV.-2024 to 07-NOV.-2024)

MANDI	VARIETY	MIN/MAX
GONDAL	AVERAGE	4500/6155
GONDAL	ARRIVAL	145000
RAJKOT	AVERAGE	6000/11000
RAJKOT	ARRIVAL	55000
JUNAGARH	AVERAGE	
JUNAGARH	ARRIVAL	
DEESA	AVERAGE	
JODHPUR	AVERAGE	
BIKANER	AVERAGE	6000
JAIPUR	AVERAGE	5500/7000
MERTA	AVERAGE	
SOLAPUR	AVERAGE	6500
SHIVPURI	AVERAGE	
JHANSI	AVERAGE	3800/4600
JHANSI	ARRIVAL	70000
MAHOBA	AVERAGE	4000/4600
MAHOBA	ARRIVAL	12000
MAURANIPUR	AVERAGE	4000/4800
MAURANIPUR	ARRIVAL	58000
CHALLAKERE	AVERAGE	

GROUNDNUT OIL PRICE CHART (01-NOV.-2024 to 07-NOV.-2024)

MANDI	VARIETY	MIN/MAX.
GROUNDNUT OIL (PRICE IN RS/10KG)		
KANDLA	GROUNDNUT OIL	
RAJKOT	GROUNDNUT OIL	1500
GONDAL	GROUNDNUT OIL	1500
JUNAGARH	GROUNDNUT OIL	1500
JAMNAGAR	GROUNDNUT OIL	1500
RAJKOT	GROUNDNUT OIL	2430
RAJKOT	GROUNDNUT OIL	1520/1560
AHMEDABAD	GROUNDNUT OIL	1500/1510
KIRTI	GROUNDNUT OIL	
MUMBAI	GROUNDNUT OIL	1550/1560
BIKANER	GROUNDNUT OIL	1380/1390
NEWAI/TONK	GROUNDNUT OIL	1480/1490
CHENNAI	GROUNDNUT OIL	1660
HYDERABAD	GROUNDNUT OIL	1430
BRANDED		
KOTA	SWASTIK (15 LTR/TIN)	2500
KOTA	HANUMAN (15 LTR/TIN	2500
KOTA	SHUBH LABH (15 LTR/TI	2610
FILTER		
JAIPUR	SHRI BANSI	2760
JAIPUR	SWASTIK	2550
JAIPUR	SWADESHI	2610
JAIPUR	CHANDI SIKKA	2480

GROUNDNUT SEED PRICE SHEET (01-NOV.-2024 to 07-NOV.-2024)

MANDI	VARIETY	MIN/MAX.
BIKANER	40/50 COUNT	9200
BIKANER	50/60 COUNT	8500/8800
BIKANER	60/70 COUNT	8200
JAIPUR	40/50 COUNT	
JAIPUR	50/60 COUNT	
JAIPUR	60/70 COUNT	
JAIPUR	80/90 COUNT	
JODHPUR	40/50 COUNT	
JODHPUR	50/60 COUNT	
JODHPUR	60/70 COUNT	
JALGAON	60/70 COUNT	10000/10100
JALGAON	70/80 COUNT	9600/9700
JALGAON	80/90 COUNT	9100/9200
JALGAON	90/100 COUNT	8700/8900
JALGAON	40/50 COUNT	8800
JALGAON	50/60 COUNT	8500
JALGAON	60/70 COUNT	8200
JALGAON	50/60 COUNT	10100/10200
JALGAON	60/70 COUNT	9500/9600
JALGAON	70/80 COUNT	9300/9400
JALGAON	80/90 COUNT	9000
JALGAON	AVERAGE	37000
JALGAON	60/70 COUNT	8500/8600
JALGAON	70/80 COUNT	8300/8400
JALGAON	80/90 COUNT	8800
JALGAON	90/100 COUNT	8600
JALGAON	KALYANI	8300
SOLAPUR	40/50 COUNT	
SOLAPUR	50/60 COUNT	10000
SOLAPUR	60/70 COUNT	9700
SOLAPUR	70/80 COUNT	
SOLAPUR	80/90 COUNT	9500
SOLAPUR	90/100 COUNT	
NAGPUR	50/60 COUNT	10200
NAGPUR	60/70 COUNT	9500
SHIVPURI	60/70 COUNT	
MUMBAI JAVA	50/60 COUNT	
MUMBAI JAVA	80/90 COUNT	
MUMBAI JAVA	60/70 COUNT	
MUMBAI BOLD	50/60 COUNT	
MUMBAI BOLD	60/70 COUNT	
MUMBAI BOLD	40/50 COUNT	

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

GROUNDNUT CAKE/DOC PRICE SHEET (01-NOV.-2024 to 07-NOV.-2024)		
MANDI	VARIETY	MIN/MAX.
GROUNDNUT OIL CAKE (RS./TON)		
ADONI	AVERAGE	
BIKANER	AVERAGE	26000/30000
CHALLAKERE	AVERAGE	
GROUNDNUT DOC (IN RS./TON)		
ARVIND	40%	
ARVIND	45%	
DHARM JIVAN	40%	
DHARM JIVAN	45%	20500
ISHREE	40%	17100
KHEDUT	40%	19500
KHEDUT	45%	22500
MANDIDEEP	40%	
MANDIDEEP	45%	
NARAYAN	40%	
NARAYAN	45%	
NATIONAL	40%	20000
NATIONAL	45%	22000
RADHA RAMAN	40%	
RADHA RAMAN	45%	25000
RAGHUVIR	40%	
RAGHUVIR	45%	
RAJESH	40%	
RAJESH	45%	22500/23000
RAJESH	48%	24000/24500
RAJESH	50%	25000/25500
ROC	40%	
ROC	45%	22000
ROC	50%	24000
ROYAL GOLD	45%	
SANJAY	40%	
SANJAY	45%	
SANJAY	48%	27000
SHRI RAM	40%	
SHRI RAM	45%	20000
SILVER	45%	
SK	40%	
SK	45%	
TIRUPATI	40%	
TIRUPATI	45%	
VILLA	40%	
VILLA	45%	
VILLA	50%	
VINAY	40%	17500
VINAY	45%	20000
VISHVNATH	40%	
VISHVNATH	45%	
VITRAG	40%	18500
VITRAG	45%	20500

मंडियों में प्रचलित कमजोर मूल्य से मूंगफली एवं सोयाबीन का उत्पादन बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली। खरीफ सीजन के दौरान बिजाई क्षेत्र में हुई अच्छी बढ़ोत्तरी के आधार पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने मूंगफली तथा सोयाबीन के उत्पादन में इजाफा होने का अनुमान लगाया है जबकि मंडियों में हो रही भारी आवक तथा कमजोर कीमत से भी इसकी पैदावार में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं। कृषि मंत्रालय के अनुसार 2023-24 सीजन के मुकाबले 2024-25 के वर्तमान खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान मूंगफली का घरेलू उत्पादन 86.60 लाख टन से 17 लाख टन उछलकर 103.60 लाख टन तथा सोयाबीन का उत्पादन 130.60 लाख टन से 3 लाख टन बढ़कर 133.60 लाख टन पर पहुंच जाने का अनुमान है। खरीफ सीजन के इन दोनों प्रमुख तिलहनों का थोक मंडी भाव अक्टूबर माह के दौरान नरम रहा जबकि इसके नए माल की भारी आवक होती रही। क्रशिंग-प्रोसेसिंग इकाइयों द्वारा ऊंचे दाम पर इसकी खरीद में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई गई क्योंकि उसे आपूर्ति का कोई संकट नजर नहीं आ रहा था। केन्द्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंगफली एवं सोयाबीन-खरीदने का निर्णय लिया है लेकिन जब किसानों से इसकी जोरदार खरीद शुरू होगी तभी मंडी भाव में कुछ मजबूती आने की उम्मीद बन सकती है। दिलचस्पी तथ्य यह है कि चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन के लिए कृषि मंत्रालय द्वारा सोयाबीन एवं मूंगफली का जो उत्पादन अनुमान लगाया गया है वह सभी सम्बद्ध पक्षों से किए गए विचार-विमर्श पर आधारित है। गुजरात में इस वर्ष मूंगफली के बिजाई क्षेत्र में काफी वृद्धि हुई और मौसम की हालत भी फसल के लिए अनुकूल रही इसलिए वहां औसत उपज दर में काफी सुधार आने के आसार हैं। केन्द्र सरकार ने 2023-24 सीजन की तुलना में 2024-25 सीजन के लिए सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 6.3 प्रतिशत बढ़कर 4892 रुपए प्रति क्विंटल तथा मूंगफली का समर्थन मूल्य 6.4 प्रतिशत बढ़ाकर 6783 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में अच्छी बढ़ोत्तरी होने के आसार

नई दिल्ली। बेहतर बिजाई एवं अनुकूल मौसम के कारण चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान मूंगफली एवं सोयाबीन के उत्पादन में अच्छी बढ़ोत्तरी होने के आसार हैं मगर अरंडी तथा नाइजरसीड की पैदावार घटने की संभावना है। तिल तथा सूरजमुखी का उत्पादन गत वर्ष के लगभग बराबर रह सकता है। फसलों की कटाई-तैयारी पहले ही आरंभ हो चुकी है। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने खरीफ कालीन तिलहन फसलों का पहला अग्रिम उत्पादन अनुमान जारी कर दिया है। पिछले साल के मुकाबले इसका कुल उत्पादन इस वर्ष 241.62 लाख टन से 15.83 लाख टन बढ़कर 257.45 लाख टन पर पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। इसके तहत खासकर मूंगफली का उत्पादन 86.60 लाख टन से 17 लाख टन उछलकर 103.60 लाख टन, सोयाबीन का उत्पादन 130.62 लाख टन से 2.98 लाख टन बढ़कर 133.60 लाख टन तथा तिल का उत्पादन 3.95 लाख टन से 3 हजार टन सुधरकर 3.98 लाख टन पर पहुंचने की उम्मीद व्यक्त की गई है जबकि सूरजमुखी का उत्पादन 60 हजार टन होने की संभावना है जो गत वर्ष के बराबर ही है। दूसरी ओर अरंडी की पैदावार पिछले साल के 19.59 लाख टन से 406 लाख टन घटकर इस बार 15.53 लाख टन तथा नाइजरसीड की पैदावार 27 हजार टन से 13 हजार टन गिरकर 14 हजार टन पर सिमट जाने की संभावना है। मूंगफली एवं अरंडी के सबसे प्रमुख उत्पादक राज्य-गुजरात में पैदावार के आंकड़ों में ज्यादा उलट फेर हुआ है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सोयाबीन फसल की हालत लगभग सामान्य रही।

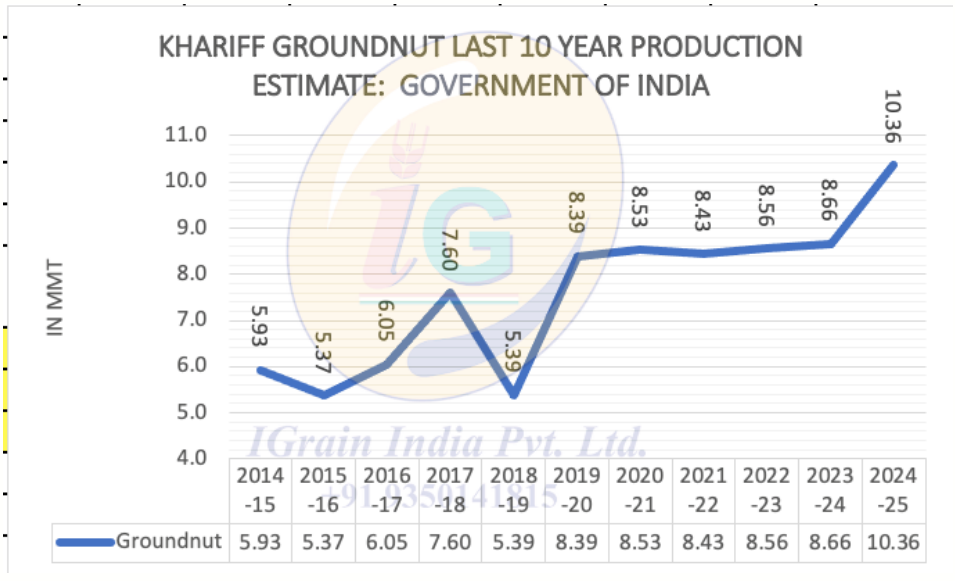

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

पहली छमाही के दौरान मूंगफली एवं ग्वार गम के निर्यात में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधीनस्थ निकाय- कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत से मूंगफली तथा ग्वार गम का निर्यात प्रदर्शन बेहतर रहा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-सितम्बर 2024 की छमाही में देश से करीब 2.88 लाख टन मूंगफली का निर्यात हुआ जो वर्ष 2023 की इस अवधि के शिपमेंट 2.55 लाख टन से 33 हजार टन ज्यादा रहा। लेकिन औसत इकाई निर्यात ऑफर मूल्य नीचे रहने से मूंगफली की निर्यात आय पिछले साल के 34.60 करोड़ डॉलर से 50 लाख डॉलर या 1.4 प्रतिशत गिरकर चालू वर्ष में 34.10 करोड़ डॉलर पर अटक गई। लेकिन ग्वार गम के निर्यात में मात्रा एवं आमदनी- दोनों दृष्टि से बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। अप्रैल-सितम्बर 2023 में 2.16 लाख टन से कुछ अधिक ग्वार गम का निर्यात हुआ था जो अप्रैल-सितम्बर 2024 में सुधरकर 2.27 लाख टन पर पहुंच गया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान ग्वार गम की निर्यात आय भी 25.90 करोड़ डॉलर से 2.10 करोड़ डॉलर या 8.23 प्रतिशत बढ़कर 28 करोड़ डॉलर पर पहुंच गई। रबी कालीन मूंगफली के सहारे निर्यात प्रदर्शन में कुछ सुधार आया था। अब अक्टूबर 2024 से खरीफ कालीन माल आने लगा है इसलिए दूसरी छमाही में निर्यात कुछ और बेहतर होने की उम्मीद है। ग्वार की नई फसल भी आ रही है जबकि ग्वार गम की वैश्विक निर्यात मांग मजबूत रहने के आसार हैं। दूसरी छमाही का प्रदर्शन बेहतर रहना है।

जीएम फसलों के लिए नीति किसानों के अनुकूल होना आवश्यक

नई दिल्ली। घरेलू प्रभाग में खाद्यान्न एवं अन्य कृषि उत्पादों की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में जेनेटिकली मोडिफाइड (जीएम) फसलों की तेजी की आवश्यकता महसूस हो सकती है। फिलहाल देश में जीएम फसलों के संवर्ग में केवल बीटी कॉटन के व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति दी गई है जबकि जीएम सरसों का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट के केन्द्र सरकार को अनुसंधान खेती, व्यापार एवं उपयोग के लिए सभी पक्षों के साथ विचार-विमर्श करके जीएम फसलों पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने का निर्देश दिया था दरअसल केन्द्र सरकार ने वर्ष 2022 में जीएम सरसों को पर्यावरणीय रिलीज करने की सशर्त स्वीकृति प्रदान की थी। धारा मस्टर्ड हाइब्रिड था डीएमएच-11 को जब अनुमति देने की घोषणा हुई तब देश में हंगामा मच गया और इसका विरोध होने लगा। बाद में यह मामला अदालत में पहुंच गया। इस पर न्यायाधीशों सर्वसम्मत राय नहीं बनने के कारण सरकार को विशेष नीति बनाने के लिए कहा गया। जीएम फसलों के पक्षधर का कहना है कि भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसके व्यावसायिक उत्पादन की अनुमति देना आवश्यक है लेकिन दूसरी ओर आलोचकों का मानना है कि इससे कृषि क्षेत्र में संकुचन पैदा होगा, पर्यावरण एवं जैव विविधता के लिए जोखिम पैदा होगा और मनुष्य तथा पशुओं के स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ जाएगा। केन्द्र सरकार जीएम फसलों पर एक नीति तैयार कर रही है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह नीति भारतीय किसानों के हित तथा कल्याण की सुरक्षा पर आधारित होनी चाहिए।

तिलहन-तेल के वैश्विक बाजार भाव में तेजी-मजबूती बरकरार रहने की उम्मीद

शिकागो। एक अग्रणी उद्योग विश्लेषक का कहना है कि आयातक देशों की बढ़ती मांग को देखते हुए तिलहन-तेल का वैश्विक बाजार भाव आगामी समय में भी ऊंचा और मजबूत रह सकता है। तिलहन-तेल विषय के विश्व प्रसिद्ध न्यूज लेटर-ऑयल वर्ल्ड के सम्पादक के अनुसार 2024-25 के विपणन वर्ष में तिलहनों के उत्पादकों एवं खरीदारों को ऊंचे दाम पर सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इसका प्रमुख कारण विश्व स्तर पर वनस्पति तेलों की मांग में वृद्धि का सिलसिला कायम रहना है। हाल ही में समाप्त हुए मार्केटिंग सीजन के दौरान खाद्य तेलों की वैश्विक मांग में 59 लाख टन का इजाफा दर्ज किया गया। 2024-25 के मार्केटिंग वर्ष के दौरान 17 प्रमुख किस्मों के वनस्पति तेलों एवं वसाओं की वैश्विक आपूर्ति (उपलब्धता) में 16 लाख टन का इजाफा होने का अनुमान है जबकि इसकी मांग में इससे कहीं ज्यादा बढ़ोत्तरी होगी। पाम तेल की अगुवाई में वनस्पति तेलों का भाव पहले से ही ऊंचे स्तर पर बरकरार है। विश्लेषक के मुताबिक केवल पिछले पांच सप्ताहों में यानी 24 अक्टूबर 2024 तथा चार प्रमुख किस्मों के खाद्य तेल की कीमतों में 110 से 180 डॉलर प्रति टन या 10 से 18 प्रतिशत तक की जोरदार बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। आगामी महीनों के दौरान वनस्पति तेलों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। इन खाद्य तेलों एवं वसाओं की सकल वैश्विक खपत में ऊर्जा क्षेत्र की भागीदारी के कारण आगामी वर्षों के दौरान पाम तेल, सोयाबीन तेल, रेपसीड / कैनोला तेल एवं सूरजमुखी तेल की खपत पर निर्भरता बढ़ने के आसार हैं और इसके उत्पादन में अपेक्षित बढ़ोत्तरी नहीं होने पर कीमतों में स्वाभाविक रूप से तेजी-मजबूती का माहौल बन सकता है। कनाडा में कैनोला का दाम अमरीकी सोयाबीन तेल की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव से काफी हद तक प्रभावित होता है। शिकागो एक्सचेंज में निकटवर्ती पोजीशनों के लिए 5 नवम्बर को सोयाबीन तेल का वायदा भाव 45 सेंट प्रति पौंड के करीब दर्ज किया गया जो 16 अगस्त के निम्न स्तरीय वायदा मूल्य की तुलना में 16 प्रतिशत ऊंचा था। दरअसल उस समय अमरीकी कृषि विभाग (उस्डा) ने 2024-25 सीजन के दौरान अमरीका में सोयाबीन का उत्पादन बढ़कर नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान लगाया था।

बेहतर घरेलू उत्पादन की वजह से खाद्य तेलों का आयात घटने की संभावना

मुम्बई। एक अग्रणी उद्योग संस्था- सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सी) ने कहा है कि 2024-25 के वर्तमान मार्केटिंग सीजन (नवम्बर-अक्टूबर) के दौरान भारत में वनस्पति तेलों का आयात घटकर 150 लाख टन के करीब सिमट सकता है जो 2023-24 सीजन के अनुमानित आयात 160 लाख टन से 10 लाख टन तथा 2022-23 सीजन के रिकॉर्ड आयात 165 लाख टन से 15 लाख टन कम है। एसोसिएशन के मुताबिक मौसम की अनुकूल स्थिति के कारण इस बार तिलहन फसलों का घरेलू उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है जिससे खाद्य तेलों का बेहतर उत्पादन होगा और विदेशों से इसके आयात की आवश्यकता घट जाएगी। एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक के अनुसार फसलों की शानदार स्थिति को देखते हुए 2024-25 के पूरे मार्केटिंग सीजन के दौरान तिलहनों का कुल घरेलू उत्पादन 30 से 40 लाख टन तक बढ़ने की उम्मीद है जिससे घरेलू मांग को पूरा करने के बाद करीब 10 लाख टन का अधिशेष स्टॉक बच सकता है। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित पाम तेल कांफ्रेंस में बोलते हुए 'सी' के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि मौसम एवं मानसून की हालत अनुकूल रहने से भारत में चालू वर्ष के दौरान सोयाबीन तथा मूंगफली की उपज दर एवं पैदावार में भारी सुधार आया है जबकि रबी सीजन में सरसों का उत्पादन भी बढ़ने की संभावना है। 2023-24 के मार्केटिंग सीजन के दौरान भारत में पाम तेल का आयात घटकर 92 लाख टन पर सिमटने का अनुमान है जो 2022-23 सीजन के आयात 98 लाख टन से 6 लाख टन कम है। दूसरी ओर सूरजमुखी तेल का आयात इसी अवधि में 29 लाख टन से बढ़कर 35 लाख टन पर पहुंचने की संभावना है। पाम तेल का भाव ऊंचा होने से भारतीय आयातकों द्वारा सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत में खाद्य तेलों के कुल आयात में पाम तेल की भागीदारी करीब 60 प्रतिशत रहती है। चालू वर्ष के दौरान मलेशिया में पाम तेल का बेंचमार्क मूल्य लगभग 30 प्रतिशत ऊंचा हो गया जिससे इसकी खरीद में भारतीय आयातकों की दिलचस्पी घट गई। सितम्बर की तुलना में अक्टूबर के दौरान भारत में पाम तेल का आयात 59 प्रतिशत बढ़ गया क्योंकि वहां जोरदार त्यौहारी मांग बनी हुई थी।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

दलहन-तिलहन फसलों की पैदावार बढ़ाने हेतु सरकार को गंभीर प्रयास करने की जरूरत

नई दिल्ली। सामान्य धारणा यह है कि भारत में दलहन-तिलहन फसलों के उत्पादन में अपेक्षित बढ़ोत्तरी करने के लिए धान, गेहूं एवं मक्का की खेती पर किसानो की निर्भरता घटना जरूरी है धान की फसल को सबसे ज्यादा पानी की जरूरत पड़ती है जबकि पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भूमिगत जल का स्तर घटता जा रहा है। सरकार फसल विविधीकरण पर जोर दे रही है जिसके तहत खासकर दलहन तिलहन का उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है मगर अन्य फसलों का उत्पादन घटाकर इसकी पैदावार बढ़ाना व्यवहारिक कदम नहीं होगा। बेशक भारत फ़िलहाल चावल, गेहूं मक्का के उत्पादन से आत्मनिर्भर बना हुआ है लेकिन जब भी किसी कारणवश उत्पादन में गिरावट आती है तब इसका बाजार भाव उछल जाता है जिससे आम लोगो की परेशानी बढ़ जाती है यह सही है कि दलहनों एवं खाद्य तेलों का उत्पादन कम होने से विदेशो से इसके विशाल आयात की आवश्यकता पड़ती है जिस पर भारी भरकम बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए वैकल्पिक प्रयास किए जाने की जरूरत है। भारत अभी दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक देश बना हुआ है और इसके शिपमेंट से देश को अरबो डॉलर की आमदनी प्राप्त होती है यदि इसका उत्पादन घटाने का प्रयास किया गया तो निर्यात आय स्वाभाविक रूप से प्रभावित होगी। मक्का की मांग एवं खपत तेजी से बढ़ती जा रही है जबकि आगे भी इसमें वृद्धि का सिलसिला जारी रहने की संभावना है क्योंकि एथनॉल निर्माण में इसकी विशाल मात्रा का उपयोग होगा। इसे पूरा करने से घरेलू उत्पादन असमर्थ साबित हो सकता है और विदेशो से इसके भारी आयात की आवश्यकता पड़ सकती है। जहां तक गेहूं का सवाल है तो इसका घरेलू उत्पादन एवं उपयोग लगभग संतुलित स्तर पर है जबकि बाजार भाव सरकारी समर्थन मूल्य से काफी ऊंचा चल रहा है गेहूं का घरेलू उत्पादन बढ़ाये जाने की आवश्यकता महसूस हो रही है दलहन-तिलहन फसलों के साथ समस्या यह है कि इसकी औसत उपज दर काफी नीचे रहती है जिसे ऊपर उठाने की आवश्यकता है इसी तरह खाली पड़े या परती खेतो में इसकी खेती पर जोर दिया जा सकता है। धान की कटाई होने के बाद जहां खेत खाली होते है वहां दलहन-तिलहन फसलों की खेती की जा सकती है। इससे मिटटी की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी।

दक्षिण भारत में बारिश-उत्तरी राज्यों में तापमान में गिरावट

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व मानसून की सक्रियता तथा मन्नार की खाड़ी में उत्पन्न गहरे सर्कुलेशन के कारण दक्षिण भारत में पिछले कुछ दिनों के दौरान भारी बारिश हुई और इसका सिलसिला एक-दो दिन तक जारी रहने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर उत्तरी भारत में मौसम शुष्क बना हुआ है और रात को तापमान में गिरावट आने लगी है। तमिलनाडु तथा केरल में हुई वर्षा से खेतों में पानी भर गया है। हालांकि केरल में मसालों की खेती ज्यादा होती है जबकि दलहन, तिलहन एवं मोटे अनाजों सहित अन्य कृषि फसलों का उत्पादन बहुत कम या नगण्य होता है लेकिन तमिलनाडु में रबी सीजन के दौरान दलहन-तिलहन फसलों की बिजाई होती है। इन दोनों राज्यों में गेहूं का उत्पादन नहीं होता है और न ही सरसों, जौ तथा चना की खेती की जाती है। उपरोक्त रबी फसलों का उत्पादन देश के उत्तरी, मध्यवर्ती एवं पश्चिमी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर होता है। इसके प्रमुख उत्पादक राज्यों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, बंगाल एवं बिहार आदि शामिल हैं। रबी कालीन फसलों की बिजाई आरंभ हो चुकी है और मौसम की हालत काफी हद तक अनुकूल बनी हुई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर सामान्य औसत से अधिक बारिश हुई जिससे खेतों की मिटटी में नमी का पर्याप्त अंश मौजूद है। इसके अलावा अधिकांश जिंसों और खासकर गेहूं तथा चना का घरेलू बाजार भाव किसानों के लिए काफी आकर्षक स्तर पर बरकरार है। इसके इसके फलस्वरूप दोनों फसलों के बिजाई क्षेत्र में बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद है। सरसों का क्षेत्रफल गत वर्ष के आसपास ही रहने की संभावना है। मसूर, मटर तथा जौ के क्षेत्रफल में भी ज्यादा उतार-चढ़ाव आना मुश्किल लगता है।

तमिलनाडु एवं केरल में भारी बारिश का सिलसिला जारी

तिरुअनन्तपुरम। देश के सुदूर दक्षिण राज्यों- खासकर तमिलनाडु एवं केरल में उत्तर-पूर्व मानसून की सक्रियता एवं अरब सागर के ऊपर बनने वाले साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण पिछले कई दिनों से रूक-रूक कर मूसलाधार बारिश हो रही है जिससे न केवल जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है बल्कि रबी फसलों की बिजाई पर भी असर पड़ने की आशंका है। 'मसालों का प्रदेश' के नाम इस विख्यात केरल में अभी छोटी इलायची समेत कुछ अन्य मसालों के उत्पादन का सीजन चल रहा है जबकि अगले महीने से कालीमिर्च की नई फसल की तुड़ाई-तैयारी आरंभ होने वाली है। उधर तमिलनाडु में रबी कालीन फसलों की बिजाई का सीजन चल रहा है। लेकिन बारिश का दायरा काफी हद तक इन दोनों राज्यों में ही सीमित है और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक तथा तेलंगाना जैसे प्रांतों में वर्षा नहीं या नगण्य हो रही है। महाराष्ट्र, गुजरात, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल में भी पिछले कई दिनों से अच्छी वर्षा नहीं हुई है। दाना समुद्री चक्रवाती तूफान के समय बारिश हुई थी। देश के अन्य प्रांतों में मौसम शुष्क बना हुआ है और तापमान में गिरावट आ रही है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार तथा मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में रबी फसलों की बिजाई जोर पकड़ने लगी है जबकि खरीफ फसलों की कटाई-तैयारी की गति भी तेज हो गई है। गेहूं, चना, सरसों, जौ, मसूर एवं मटर सहित अन्य फसलों की खेती में किसानों की सक्रियता बनी हुई है। ऊंचे बाजार भाव को देखते हुए इस बार खासकर गेहूं एवं चना के बिजाई क्षेत्र में अच्छी बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद है जबकि सरसों, मसूर एवं मटर का क्षेत्रफल पिछले साल के आसपास ही रहने की संभावना है। रबी सीजन में उड़द एवं मूंग तथा मूंगफली आदि की खेती भी की जाती है।

दक्षिण भारत में भारी वर्षा का दौर जारी- रबी फसलों की बिजाई पर असर

तिरुअनन्तपुरम। मन्नार की खाड़ी में गहरा सर्कुलेशन बनने से दक्षिण भारत के प्रायद्वीपीय भाग तथा तमिलनाडु के दक्षिणी क्षेत्र में पिछले दिनों जोरदार बारिश हुई जबकि वहां अगले 2-3 दिनों तक भारी वर्षा का सिलसिला जारी रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश हुई है मगर देश के अन्य भागों में वर्षा होने की खबर नहीं है। तमिलनाडु और केरल में बारिश का दौर जारी है जबकि अन्य राज्यों में आसमान साफ रहने की संभावना है। एक मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 3 से 7 नवम्बर के दौरान देश के पूर्वी एवं पश्चिमोत्तर राज्यों में उच्चतम एवं न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। इससे किसानों को रबी फसलों की बिजाई में अच्छी सहायता मिलेगी मगर दक्षिण भारत में भारी वर्षा होने से खेतों में पानी भर गया है या नमी का अंश बहुत ज्यादा बढ़ गया है इसलिए वहां फसलों की बिजाई में बाधा पड़ सकती है। रबी कालीन धान की रोपाई के लिए यह बारिश अनुकूल है। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक दोआब क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री घट चुका है। कुल मिलाकर राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं दक्षिणी दोआब क्षेत्र में अब भी तापमान सामान्य स्तर से 2-4 डिग्री ऊपर चल रहा है जिसमें आगे गिरावट आने की उम्मीद है। इससे खेतों की मिटटी से नमी सूखने की गति धीमी पड़ जाएगी। कहीं-कहीं तापमान में ज्यादा गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग ने तमिलनाडु एवं केरल में अत्यन्त भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी करते हुए लोगों को यथा संभव घरों में ही रहने की सलाह दी है।

Department of Consumer Affairs (Price Monitoring Division)
All India Daily Weighted Average Prices Of Major Edible Oils

Daily Prices	Edible Oils	(Latest)	1 Month Ago	1 Year Ago	% Variation over	
		07/11/2024	07/10/2024	07/11/2023	1 Month	1 Year
All-India Retail Price (in □ /kg)	Groundnut Oil	195.47	188.15	193.17	3.89	1.19
	Mustard Oil	168.28	156.64	139.12	7.43	20.96
	Vanaspati	141.58	132.14	126.95	7.14	11.52
	Soya Oil	140.01	131.29	125.07	6.64	11.95
	Sunflower Oil	146.22	134.44	124.35	8.76	17.59
	Palm Oil	127.4	117.2	100.47	8.70	26.80
All-India Consumer Wholesale Price (in □ /qtl)	Groundnut Oil	18345.07	17716.59	18120.05	3.55	1.24
	Mustard Oil	15849.55	14731.16	12999.93	7.59	21.92
	Vanaspati	13152.53	12240.84	11424.45	7.45	15.13
	Soya Oil	13114.02	12226.95	11483.55	7.26	14.20
	Sunflower Oil	13828.87	12618.09	11530.45	9.60	19.93
	Palm Oil	12158.76	11006.85	9244.9	10.47	31.52

बाजार भविष्य

★ अंतराष्ट्रीय तेल तिलहनों बाज़ारों में तेजी की प्रबल संभावनाएं।
★ बायो डीजल मैं बढ़ रही ही खाद्य तेलों की खपत।
★ इंडोनेशिया में पाम का इस्तेमाल और अमेरिका, अर्जेंटीना, ब्राज़ील में सोयातेल की मांग मं हो रहा है इजाफा।
★ 2024 के अंत में सकल तेलों की खपत 60 लाख टन बढ़ सकती है जबकि उपलब्धता केवल 16 लाख टन बढ़ रही है।
★ आगामी सीजन 2024-25 में उपभोगकर्ताओं को करना होगा अधिक खर्च।
★ पाम तेल की कीमतों में देखि जा रही है बढ़ोतरी।
★ पिछले 5 सप्ताहों में पाम भाव $110 से बढ़कर $180/ टन पहुंचे एवं अन्य तेलों के 10 -18% बढे।
★ तेलों की औद्योगिक खपत में 20% का इजाफा।
★ यूज़्ड कुकिंग आयल की उपलब्धता कमज़ोर पड़ने से ने तेल की मांग बढ़ी।
★ सूरजमुखी का उत्पादन घटने के कारण केनोला की डिमांड बढ़ी।
★ USDA ने अभी हाल ही में मलेशिया में पाम का स्टॉक 161 लाख टन में सिमटने का दिया अनुमान पिछले अनुमान से 15 लाख टन कम।
★ खरीफ 2024-25 पहला उत्पादन अनुमान।
★ चालू सीजन में मौसम ने दिया फसलों का पूरा साथ। मोटे अनाज को छोड़ अन्य सभी फसलों की बिजाई में बढ़ोत्तरी।
★ अच्छा पानी पड़ने से किसानों ने मोटे अनाज (जिनमें कम पानी की जरुरत होती है) को प्राथमिकता नहीं दी।
★ धान, मक्का, दलहन (उड़द को छोड़) और सोया के उत्पादन अधिक होने का दिया अनुमान।
★ तिलहन फसलों में मूंगफली का उत्पादन मामूली बढ़कर 103.6 लाख टन रहने का अनुमान, सोया उत्पादन जो गत वर्ष 130.62 लाख टन था मामूली बढ़कर 133.6 लाख टन बताया गया।
★ सोया उत्पादन में उस अनुपात में वृद्धि नहीं दिखाई दी जितना अनुमान लगाया गया।
★ अरंडी फसल व बिजाई दोनों लेट होती है। बारिश समय पर पड़ने से किसानों का रुझान अन्य फसल पर पड़ा व एरिया घटा। कुल उत्पादन 15.53 लाख टन में सिमट सकता है जो गत वर्ष 19.6 लाख टन था।
★ तिल उत्पादन गत वर्ष से मामूली बढ़कर 4 लाख टन के आसपास के आकड़े दिए गये।
★ मंडियों में सोया, मूंगफली की जोरदार आवक। धान, मक्का, बाजरा, रागी की आवक गत वर्ष के बराबर।
★ ज्वार की आवक भी अच्छी। सूरजमुखी, मूंग, उड़द की आवक कमजोर।
★ जल्द ही जारी होंगे पहले उत्पादन अनुमान के आकड़े।

igrain India Pvt.Ltd.
The Complete Agri Solution
2181-A, Ist Floor, Raja Park, Main Rani Bagh Road, DELHI-110034

Department of Consumer Affairs
(Price Monitoring Division)

Prices in 4 Metros and Ranchi

Daily Retail Prices (□ /kg) in 4 Metros and Ranchi

Major Edible Oils	Delhi		Mumbai		Kolkata		Chennai		Ranchi	
	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)	07/11/2024 (Latest)	07/11/2023 (1 Year Back)
Groundnut Oil	**216**	214	**232**	177	**NR**	NR	**182**	187	**253**	225
Mustard Oil	**178**	143	**192**	165	**NR**	131	**210**	153	**173**	127
Vanaspati	**163**	126	**148**	149	**NR**	121	**159**	108	**130**	95
Soya Oil	**158**	124	**152**	126	**NR**	115	**NR**	NR	**155**	115
Sunflower Oil	**159**	139	**170**	135	**NR**	121	**156**	110	**148**	118
Palm Oil	**134**	99	**131**	100	**NR**	95	**136**	86	**132**	90